गरिमा 3

1. भाषा और व्याकरण

मनुष्य हो या जीव-जंतु सभी अपनी बात दूसरों तक पहुँचाने के लिए किसी न किसी माध्यम का प्रयोग तो करते ही हैं। अपनी बात को प्रकट करने या बताने के लिए जो माध्यम प्रयोग किया जाता है, वही भाषा कहलाता है।

शिक्षण-संकेत

- ❖ शिक्षक/शिक्षिका सर्वप्रथम पाठ पृष्ठ 3 पर दी गई पंक्तियाँ पढ़ें और बताएँ, आज वे भाषा के बारे में जानेंगे। फिर पृष्ठ पर दिए चित्रों के माध्यम से बच्चों से प्रश्न पूछें-
  - पहले चित्र में शिक्षिका क्या कर रही हैं अथवा क्या संकेत दे रही हैं?
  - दूसरे चित्र में शिक्षिका बच्चों को कैसे पढ़ा रही हैं? अथवा क्या कर रही हैं?
  - तीसरे चित्र में शिक्षिका क्या कर रही हैं?
- ❖ बच्चों के उत्तर देने के उपरांत उन्हें बताएँ कि इन तीनों चित्रों द्वारा अपनी बात प्रकट की जा रही है–
  - पहले चित्र में शिक्षिका संकेतों के माध्यम से बच्चों को चुप रहने यानी कक्षा में बात न करने का संकेत दे रही हैं। बच्चों को बताएँ, यह सांकेतिक भाषा है पर इस प्रकार संकेतों में हर बात नहीं बता सकते।
  - दूसरे चित्र में अध्यापिका बोलकर बच्चों को पाठ पढ़ा रही हैं और बच्चे सुनकर समझ रहे हैं।
  - तीसरे चित्र में अध्यापिका ब्लैकबोर्ड पर लिखकर बच्चों को पढ़ा रही हैं तथा बच्चे लिखे हुए को पढ़कर समझ रहे हैं।
- ❖ अब बच्चों को समझाएँ, इस प्रकार बोलकर, सुनकर, लिखकर, पढ़कर अपनी बात प्रकट करना ही भाषा कहलाता है।
- ❖ भाषा की परिभाषा याद करवाकर सुनें।
- ❖ बच्चों को भाषा के दोनों रूपों–मौखिक और लिखित से अवगत करवाएँ। इसके लिए अपने आसपास के या दैनिक जीवन से जुड़े उदाहरणों का सहारा लिया जा सकता है। जैसे - टी॰वी॰ देखना, संगीत सुनना, माइक पर बोलना, कहानी सुनना, आपस में बातचीत करना, यह मौखिक भाषा है।

- ❖ विद्यालय का गृहकार्य करना, परीक्षा देना, कंप्यूटर पर काम करना, पत्र लिखना, अखबार पढ़ना आदि लिखित भाषा है।
- ❖ शिक्षक/शिक्षिका बच्चों की पाठ में उपस्थिति देखने के उद्देश्य से बीच-बीच में कुछ प्रश्न पूछें।
- ❖ बच्चों को बताएँ, हिंदी हमारे देश भारत की मातृभाषा होने के साथ-साथ राष्ट्रभाषा भी कहलाती है। हिंदी भारत के अधिकांशत: क्षेत्रों में बोली-पढ़ी तथा समझी जाती है इसलिए इसे मातृभाषा का दर्जा मिला हुआ है। इस बात से बच्चों को अवगत कराएँ।
- ❖ बच्चों को भारत की तथा संसार की भाषाओं से भी अवगत कराएँ।
- ❖ उन्हें भाषा की लिपियों से भी परिचित करवाएँ। उन्हें बताएँ, प्रत्येक भाषा को लिखने का एक अलग तरीका या ढंग होता है, जिसे लिपि कहते हैं। प्रत्येक भाषा की लिपि के लिखित चिह्न अलग-अलग होते हैं। हिंदी की लिपि देवनागरी, अंग्रेज़ी की रोमन तथा उर्दू की लिपि फ़ारसी है।
- ❖ बच्चों को बताएँ, हिंदी की **देवनागरी लिपि के चिह्न - अ आ इ क ख च ट त** आदि वर्णमाला के सभी वर्ण हैं।
- ❖ व्याकरण का सही बोध होना अत्यंत आवश्यक है। यह बताते हुए बच्चों को भाषा के व्याकरण से परिचित करवाएँ। उन्हें समझाएँ, भाषा को शुद्ध रूप से लिखना-पढ़ना, बोलना, व्याकरण ही बतलाता है। पृष्ठ 6 पर दिए चित्रों के अशुद्ध एवं शुद्ध वाक्य पढ़वाएँ और बच्चों से जाने कौन-सा रूप शुद्ध है? यह भी पूछें कि इनमें क्या अशुद्धि है।
- ❖ बच्चों का व्याकरण बोध जानने के लिए उनसे शब्दों की वर्तनी लिखवाकर या किसी शब्द का उच्चारण करवाकर या कोई वाक्य लिखवाकर देखा जा सकता है।
- ❖ 'आपने सीखा' के अंतर्गत दिए पाठ के मुख्य बिंदुओं द्वारा पाठ की दोहराई करवा लें।
- ❖ पाठ के अभ्यास बच्चों से करवाएँ। यदि आवश्यकता हो तो यथासंभव बच्चों को समझाते हुए मदद भी करें।